CUET (Common University Entrance Test)

भारत में केंद्रीय विश्वविद्यालयों और अन्य भागीदार संस्थानों में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली एक प्रवेश परीक्षा है। यह परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी **(NTA)** द्वारा आयोजित की जाती है।

उद्देश्य**:**

1. केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया: CUET के माध्यम से, छात्रों को विभिन्न विश्वविद्यालयों में अलग-अलग प्रवेश परीक्षाओं से मुक्ति मिलती है। यह एकल परीक्षा के माध्यम से कई विश्वविद्यालयों में प्रवेश का अवसर प्रदान करता है।
2. समान अवसर: CUET का उद्देश्य सभी छात्रों के लिए एक समान और निष्पक्ष प्रवेश प्रक्रिया स्थापित करना है, ताकि किसी भी राज्य या बोर्ड के छात्रों को कोई असमानता न हो।
3. पारदर्शिता: यह परीक्षा पारदर्शी और मानकीकृत प्रवेश प्रक्रिया प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है, जिससे अधिक योग्यता आधारित चयन प्रक्रिया सुनिश्चित होती है।
4. समय और संसाधनों की बचत: इससे छात्रों और विश्वविद्यालयों दोनों को कई प्रवेश परीक्षाओं की प्रक्रिया से मुक्ति मिलती है, जिससे समय और संसाधनों की बचत होती है।

यह परीक्षा स्नातक स्तर पर प्रवेश के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण बन चुकी है, विशेष रूप से उन छात्रों के लिए जो केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं।

CUET (Common University Entrance Test) के माध्यम से भारत के कई केंद्रीय विश्वविद्यालयों और अन्य संस्थानों में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया जा सकता है।

CUET के तहत आने वाले प्रमुख संस्थान निम्नलिखित हैं**:**

केंद्रीय विश्वविद्यालय:

1. दिल्ली विश्वविद्यालय (DU)
2. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU)
3. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (AMU)
4. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU)
5. जामिया मिलिया इस्लामिया (JMI)
6. तेज़पुर विश्वविद्यालय
7. हैदराबाद विश्वविद्यालय
8. मिज़ोरम विश्वविद्यालय
9. मणिपुर विश्वविद्यालय
10. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
11. गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
12. नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय (NEHU)
13. त्रिपुरा विश्वविद्यालय
14. केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान
15. केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब
16. केंद्रीय विश्वविद्यालय केरल

17. केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा
18. केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड
19. केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू
20. केंद्रीय विश्वविद्यालय कर्नाटक

अन्य भागीदार संस्थान:

1. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक
2. महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
3. राजीव गांधी राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, पंजाब
4. राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति
5. श्रीमती नाथीबाई दामोदर ठाकरसे महिला विश्वविद्यालय (SNDT), मुंबई

इसके अलावा, कुछ निजी और राज्य विश्वविद्यालय भी CUET के माध्यम से प्रवेश लेते हैं। CUET का उद्देश्य छात्रों को पूरे देश में अधिकाधिक शैक्षिक संस्थानों में प्रवेश के अवसर प्रदान करना है।

CUET परीक्षा कब आयोजित की जाती है

CUET (Common University Entrance Test) आमतौर पर हर साल मई और जून के महीने में आयोजित की जाती है। हालाँकि, परीक्षा की तिथि हर साल बदल सकती है, लेकिन सामान्यतः इसका शेड्यूल इस प्रकार होता है:

पंजीकरण (Registration): मार्च और अप्रैल के महीने में CUET के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू होती है।

एडमिट कार्ड जारी: परीक्षा से लगभग 1-2 सप्ताह पहले एडमिट कार्ड जारी किए जाते हैं।

परीक्षा की तिथि: मई या जून में विभिन्न स्लॉट्स में परीक्षा आयोजित की जाती है, जो कि 2-3 सप्ताह तक चल सकती है, क्योंकि यह कंप्यूटर आधारित परीक्षा (CBT) होती है।

परिणाम (Results): परीक्षा के लगभग 3-4 हफ्ते बाद परिणाम घोषित किए जाते हैं, आमतौर पर जुलाई के महीने में।

सटीक तिथियाँ हर वर्ष NTA की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होती हैं।

परीक्षा पैटर्न **(UG Courses** के लिए)

CUET (Common University Entrance Test) का पैटर्न इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि यह छात्रों के विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमियों से समान रूप से मेल खा सके। परीक्षा में निम्नलिखित घटक शामिल होते हैं:

CUET का पेपर मुख्य रूप से तीन सेक्शन में बंटा होता है:

सेक्शन **I:** भाषा

सेक्शन **IA**: इसमें 13 भाषाएं उपलब्ध होती हैं, जैसे हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, तमिल, तेलुगु आदि।

सेक्शन **IB**: इसमें 20 अन्य भाषाएं शामिल हैं, जैसे संस्कृत, जर्मन, फ्रेंच आदि।
प्रश्नों की संख्या: 40 प्रश्नों में से 35-40 प्रश्न हल करने होते हैं।
प्रकार: बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)।
समय: 45 मिनट प्रति भाषा।
अवधारणा: भाषा संबंधी समझ, वाक्यविन्यास, शब्दावली आदि पर आधारित प्रश्न।

सेक्शन **II:** डोमेन-विशिष्ट विषय **(Domain Subjects)**

- इसमें छात्र अधिकतम 6 विषयों को चुन सकते हैं, जो उनके इच्छित पाठ्यक्रम या विश्वविद्यालय पर निर्भर करता है।
  प्रश्नों की संख्या: 50 में से 40 प्रश्न हल करने होते हैं।
  प्रकार: बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)।
  समय: प्रत्येक विषय के लिए 45 मिनट।
  अवधारणा: यह सेक्शन छात्रों की विषय-विशिष्ट ज्ञान को परखता है। विषयों में विज्ञान, वाणिज्य, मानविकी आदि शामिल होते हैं।

सेक्शन **III:** सामान्य ज्ञान **(General Test)**

- यह सेक्शन उन विश्वविद्यालयों के लिए है जो सामान्य प्रवेश परीक्षा की मांग करते हैं। सभी पाठ्यक्रमों के लिए अनिवार्य नहीं है।
  प्रश्नों की संख्या: 60 में से 50 प्रश्न हल करने होते हैं।
  प्रकार: बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)।
  समय: 60 मिनट।
  अवधारणा: इसमें सामान्य ज्ञान, करंट अफेयर्स, सामान्य मानसिक योग्यता, संख्यात्मक योग्यता, तार्किक और विश्लेषणात्मक तर्कशक्ति शामिल होती है।

कुल समय और अंक

- परीक्षा कुल मिलाकर 3-4 घंटे की हो सकती है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने कितने सेक्शन और विषय चुने हैं।
- प्रत्येक सही उत्तर पर +5 अंक मिलते हैं, और गलत उत्तर के लिए -1 अंक की नकारात्मक अंकन (negative marking) होती है।

प्रश्नों का माध्यम

- CUET परीक्षा अंग्रेजी और हिंदी सहित 13 भाषाओं में उपलब्ध होती है।

यह पैटर्न छात्रों के लिए बहु-विकल्पीय ढांचा प्रदान करता है, जिसमें वे अपने कौशल और रुचियों के आधार पर विषय चुन सकते हैं।

CUET परीक्षा से मेरिट लिस्ट तैयार करने की प्रक्रिया पूरी तरह से परीक्षा में प्राप्त अंकों और संबंधित विश्वविद्यालयों की चयन प्रक्रिया पर निर्भर करती है। NTA द्वारा CUET परीक्षा के बाद छात्रों के अंकों को सामान्यीकृत (normalized) किया जाता है और फिर विभिन्न विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए मेरिट लिस्ट तैयार की जाती है। इसका तरीका निम्नलिखित है:

1. अंकों का सामान्यीकरण (Normalization of Scores)

CUET एक कंप्यूटर आधारित परीक्षा (CBT) होती है, जिसे कई दिनों और शिफ्टों में आयोजित किया जाता है। इसलिए, विभिन्न शिफ्टों में कठिनाई स्तर में अंतर हो सकता है। इसे संतुलित करने के लिए NTA सामान्यीकरण पद्धति का उपयोग करता है, जिससे विभिन्न दिनों की परीक्षाओं में छात्रों को समान अवसर मिल सके। इसमें छात्रों के रॉ स्कोर (असली अंक) को सामान्यीकृत स्कोर में बदल दिया जाता है, जिसे अंतिम मेरिट सूची में इस्तेमाल किया जाता है।

2. विषयवार स्कोर

- हर छात्र के लिए, जिन विषयों में उसने परीक्षा दी है, उन विषयों में प्राप्त अंकों को अलग-अलग गणना किया जाता है।
- छात्र द्वारा चुने गए विषयों में प्राप्त अंकों को महत्व दिया जाता है, और विश्वविद्यालय इन विषयों के आधार पर मेरिट सूची बनाते हैं।

3. मेरिट लिस्ट तैयार करने की प्रक्रिया

- सामान्यीकृत स्कोर को आधार बनाकर, संबंधित विश्वविद्यालय अपनी प्रवेश आवश्यकताओं के अनुसार मेरिट लिस्ट तैयार करते हैं।
- कुछ विश्वविद्यालय अपने पाठ्यक्रमों के लिए कंपोजिट स्कोर का उपयोग करते हैं, जहां विभिन्न विषयों के अंकों का वेटेज अलग-अलग हो सकता है।
- अगर कोई सामान्य टेस्ट (General Test) या भाषा की परीक्षा भी दी गई है, तो इनका भी शामिल होना संभव है, अगर विश्वविद्यालय की आवश्यकता हो।

4. टाई-ब्रेकिंग नियम (Tie-Breaking Rules)

यदि दो या अधिक छात्रों के सामान्यीकृत स्कोर समान होते हैं, तो विश्वविद्यालय या NTA द्वारा तय किए गए निम्नलिखित मानकों पर टाई-ब्रेकिंग किया जा सकता है:

1. उम्र: अधिक उम्र वाले छात्र को प्राथमिकता दी जा सकती है।
2. संबंधित विषयों में उच्च अंक: जिस विषय में अधिक अंक होंगे, उसे वरीयता दी जाएगी।

5. अंतिम प्रवेश

- विश्वविद्यालय CUET के स्कोर के आधार पर मेरिट लिस्ट जारी करते हैं और फिर काउंसलिंग या सीट आवंटन प्रक्रिया के माध्यम से छात्रों को प्रवेश प्रदान करते हैं।

इस प्रकार, CUET की मेरिट लिस्ट पूरी तरह से परीक्षा में प्राप्त सामान्यीकृत अंकों और विश्वविद्यालय की चयन प्रक्रिया पर आधारित होती है।

CUET का सामान्य पाठ्यक्रम

CUET (Common University Entrance Test) का पाठ्यक्रम मुख्य रूप से छात्रों के 12वीं कक्षा के सिलेबस पर आधारित होता है, और यह उनके चुने गए विषयों और परीक्षा के सेक्शन पर निर्भर करता है। CUET के लिए

तीन मुख्य सेक्शन होते हैं: भाषा, डोमेन-स्पेसिफिक विषय, और सामान्य परीक्षण। प्रत्येक सेक्शन का पाठ्यक्रम अलग-अलग होता है।

सेक्शन **I:** भाषा **(Language Section)**

यह सेक्शन भाषा संबंधी कौशल पर केंद्रित है और दो भागों में बंटा होता है:

- सेक्शन **IA**: 13 भाषाओं में से किसी एक को चुन सकते हैं (जैसे हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, आदि)।
- सेक्शन **IB**: 20 अन्य भाषाओं में से चुन सकते हैं (जैसे संस्कृत, जर्मन, फ्रेंच, आदि)।

मुख्य विषय:

- पढ़ने की समझ (Reading Comprehension): तथ्यों पर आधारित, साहित्यिक, आख्यानात्मक और व्याख्यात्मक प्रकार।
- शब्दावली और व्याकरण: पर्यायवाची, विलोम, शब्द उपयोग, वाक्य सुधार।
- भाषा और उसके उपयोग से संबंधित प्रश्न।

सेक्शन **II:** डोमेन-विशिष्ट विषय **(Domain-Specific Subjects)**

छात्र 27 उपलब्ध डोमेन विषयों में से अधिकतम 6 विषय चुन सकते हैं। ये विषय 12वीं कक्षा के पाठ्यक्रम पर आधारित होते हैं।

मुख्य विषय:

- विज्ञान के छात्र: फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, गणित।
- वाणिज्य के छात्र: अकाउंटेंसी, बिजनेस स्टडीज, इकोनॉमिक्स।
- मानविकी के छात्र: इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान।
- कंप्यूटर साइंस: कंप्यूटर अनुप्रयोगों के आधारभूत सिद्धांत।

हर विषय का पाठ्यक्रम संबंधित विषय की 12वीं कक्षा के बोर्ड पाठ्यक्रम पर आधारित होता है। यह विषयों के कोर सिद्धांत, फॉर्मूले, परिभाषाएं और अवधारणाओं को कवर करता है।

सेक्शन **III:** सामान्य परीक्षण **(General Test)**

यह सेक्शन उन पाठ्यक्रमों के लिए है, जो सामान्य परीक्षण की आवश्यकता रखते हैं। इसमें सामान्य ज्ञान और तर्कशक्ति से जुड़े प्रश्न होते हैं।

मुख्य विषय:

- सामान्य ज्ञान: वर्तमान घटनाएं, सामान्य विज्ञान, भारतीय इतिहास, भूगोल, अर्थव्यवस्था, राजनीति, खेल।
- करंट अफेयर्स: हाल की महत्वपूर्ण घटनाएं और पुरस्कार।
- तार्किक और विश्लेषणात्मक क्षमता: सप्रमाण तर्क, विश्लेषणात्मक और तार्किक प्रश्न।
- संख्यात्मक क्षमता: मौलिक गणितीय अवधारणाएं (कक्षा 8 तक के स्तर तक)।
- डेटा इंटरप्रिटेशन: ग्राफ, चार्ट, और टेबल को पढ़ने और उनकी व्याख्या करने की क्षमता।

सटीक पाठ्यक्रम की जानकारी

अलग-अलग डोमेन विषयों का विस्तृत पाठ्यक्रम NTA की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि छात्र किस पाठ्यक्रम या विश्वविद्यालय में प्रवेश लेना चाहते हैं और उन्होंने कौन से विषय चुने हैं।

महत्वपूर्ण बिंदु:

- CUET का पाठ्यक्रम मुख्य रूप से CBSE या राज्य बोर्ड के 12वीं कक्षा के सिलेबस पर आधारित होता है।
- छात्रों को उन विषयों पर ध्यान देना चाहिए, जो वे अपनी स्नातक शिक्षा में आगे बढ़ाना चाहते हैं।

CUET के लिए अच्छी तैयारी के लिए छात्र को अपने 12वीं कक्षा के विषयों की पूरी समझ होनी चाहिए, और इसके अलावा सामान्य ज्ञान और तर्कशक्ति के प्रश्नों पर भी ध्यान देना चाहिए।

CUET (Common University Entrance Test) भाषा के दो प्रश्नपत्रों में अंतर

भाषा संबंधी प्रश्नपत्रों को दो हिस्सों में बाँटा गया है: सेक्शन **1A** और सेक्शन **1B**। दोनों का उद्देश्य भाषा कौशल की जांच करना है, लेकिन इन दोनों में कुछ महत्वपूर्ण अंतर हैं:

सेक्शन **1A:** भाषा **(Language Section 1A)**

- भाषाओं की संख्या: इसमें कुल **13** भाषाएं शामिल हैं।
- भाषाएं: हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, असमिया, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु।
- प्रश्नों की प्रकृति: इसमें मुख्यतः पढ़ने की समझ **(Reading Comprehension)** पर आधारित प्रश्न होते हैं, जो तथ्यों पर आधारित, साहित्यिक और व्याख्यात्मक प्रकार के होते हैं।
- कौशल परीक्षण: यह सेक्शन छात्र की शब्दावली, व्याकरण, और पढ़ने की समझ की जांच करता है। इसमें वाक्य सुधार, पर्यायवाची, विलोम, और शब्दों का सही उपयोग से संबंधित प्रश्न हो सकते हैं।

सेक्शन **1B:** भाषा **(Language Section 1B)**

- भाषाओं की संख्या: इसमें कुल **20** अन्य भाषाएं शामिल हैं।
- भाषाएं: संस्कृत, अरबी, फ्रेंच, जर्मन, नेपाली, फारसी, इतालवी, स्पेनिश, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मणिपुरी, बोडो, तिब्बती, जापानी, रूसी, चीनी, डोगरी, संथाली, सिंधी।
- प्रश्नों की प्रकृति: इस सेक्शन में भी भाषा कौशल पर आधारित प्रश्न होते हैं, जो संबंधित भाषा की पढ़ने की समझ, व्याकरण और शब्दावली पर केंद्रित होते हैं।
- विशेषताएं: यह सेक्शन उन छात्रों के लिए होता है, जो विदेशी भाषाएं (जैसे फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश) या भारतीय भाषाओं (जैसे संस्कृत, कश्मीरी, मैथिली) में अपनी रुचि या विशेषज्ञता दिखाना चाहते हैं।

मुख्य अंतर:

1. भाषाओं की उपलब्धता:
    - सेक्शन **1A** में मुख्य भारतीय भाषाओं का विकल्प होता है, जिन्हें आमतौर पर छात्रों द्वारा अपनी माध्यमिक शिक्षा के दौरान चुना जाता है।

- सेक्शन **1B** में विदेशी भाषाएं और कुछ अन्य भारतीय भाषाएं शामिल हैं, जिनका उपयोग विशिष्ट पाठ्यक्रमों में होता है।

2. चयन:
   - छात्र सेक्शन 1A से किसी एक भाषा को चुन सकते हैं, जो उनकी मुख्य भाषा होगी।
   - सेक्शन 1B का चयन उन छात्रों के लिए है, जो अतिरिक्त भाषा में विशेषज्ञता दिखाना चाहते हैं, या जिन पाठ्यक्रमों के लिए यह सेक्शन आवश्यक है।

कब किस सेक्शन का चुनाव करना चाहिए**:**

- सेक्शन **1A** का चुनाव अधिकतर छात्र अपनी पहली भाषा के रूप में करते हैं, क्योंकि इसमें उनके स्कूल की शिक्षा में शामिल भाषाएं होती हैं।
- सेक्शन **1B** का चुनाव तब किया जाता है जब किसी विशेष विश्वविद्यालय या पाठ्यक्रम में विदेशी या अन्य भारतीय भाषाओं की आवश्यकता होती है, या यदि छात्र को उस भाषा में विशेष रुचि हो।

दोनों ही सेक्शन में छात्र की भाषा संबंधी समझ का परीक्षण होता है, लेकिन भाषाओं के चयन और पाठ्यक्रमों की आवश्यकताओं के आधार पर अंतर होता है।

CUET परीक्षा की फीस **(2023** के अनुसार**):**

CUET परीक्षा की फीस श्रेणी और विषयों की संख्या पर निर्भर करती है। यहाँ फीस की जानकारी दी गई है:

1. भारत के परीक्षा केंद्रों के लिए फीस**:**

श्रेणी	तीन विषय तक	चार से अधिक विषय **(**अधिकतम **7)**	सात से अधिक विषय **(**अधिकतम **10)**
सामान्य **(General)**	₹750	₹1500	₹1750
OBC-NCL/ EWS	₹700	₹1400	₹1650
SC/ST/PwBD/तीसरे लिंग	₹650	₹1300	₹1550

2. विदेशों के परीक्षा केंद्रों के लिए फीस**:**

श्रेणी	तीन विषय तक	चार से अधिक विषय **(**अधिकतम **7)**	सात से अधिक विषय **(**अधिकतम **10)**

सभी श्रेणियां	₹3750	₹7500	₹11000

महत्वपूर्ण जानकारी:

1. अधिकतम विषयों की सीमा: छात्र अधिकतम 10 विषयों के लिए CUET परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।
2. विषयों के आधार पर फीस: जितने अधिक विषय चुनेंगे, फीस भी उसी के अनुसार बढ़ेगी।
3. फीस रिफंड: एक बार जमा की गई फीस वापस नहीं की जाती, चाहे आप परीक्षा में उपस्थित हों या नहीं।
4. अतिरिक्त सेवाएं: कुछ मामलों में, यदि छात्रों को विशेष सहायता या अतिरिक्त सेवाओं की आवश्यकता होती है, तो अलग से शुल्क लिया जा सकता है।

छात्रों को परीक्षा केंद्र का चयन और फीस भुगतान आवेदन प्रक्रिया के दौरान ही करना होता है, और सभी जानकारी NTA की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होती है।

CUET परीक्षा के केंद्र:

CUET के परीक्षा केंद्र भारत के विभिन्न राज्यों और शहरों में होते हैं। इसके अलावा कुछ विदेशी केंद्र भी उपलब्ध होते हैं। परीक्षा केंद्र चुनते समय निम्नलिखित बातें ध्यान में रखी जाती हैं:

1. भारत में केंद्र:
    - भारत के लगभग सभी प्रमुख शहरों में परीक्षा केंद्र होते हैं। उदाहरण के लिए:
        - दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, जयपुर, लखनऊ, पटना, भोपाल, चंडीगढ़, अहमदाबाद, गुवाहाटी आदि।
    - हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में प्रमुख शहरों को कवर किया जाता है, ताकि सभी छात्रों को अपने नजदीकी केंद्र का विकल्प मिल सके।

CUET (Common University Entrance Test) के माध्यम से छत्तीसगढ़ के कुछ विश्वविद्यालय भी छात्रों को विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रदान करते हैं। छत्तीसगढ़ के CUET में भाग लेने वाले प्रमुख विश्वविद्यालय निम्नलिखित हैं:

1. गुरु घासीदास विश्वविद्यालय **(Guru Ghasidas Vishwavidyalaya),** बिलासपुर

- प्रकार: केंद्रीय विश्वविद्यालय
- कोर्सेस: CUET के माध्यम से स्नातक (UG) और स्नातकोत्तर (PG) पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रदान करता है।
- विशेषता: यह विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख केंद्रीय विश्वविद्यालय है और विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए CUET के स्कोर का उपयोग करता है।

2. हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय **(Hidayatullah National Law University),** रायपुर

- प्रकार: राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय
- कोर्सेस: CUET के माध्यम से कुछ पाठ्यक्रमों में प्रवेश किया जा सकता है। विशेष रूप से, कानून के स्नातक (LLB) और स्नातकोत्तर (LLM) कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए यह विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण है।

इन विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए छात्रों को CUET परीक्षा में भाग लेकर निर्धारित कटऑफ और मेरिट लिस्ट के आधार पर प्रवेश प्राप्त करना होता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय (DU) में प्रवेश की प्रक्रिया

CUET (Common University Entrance Test) के माध्यम से होती है। प्रवेश प्रक्रिया निम्नलिखित चरणों में पूरी होती है:

1. CUET परीक्षा में आवेदन करें:

- पंजीकरण: छात्रों को सबसे पहले **NTA** की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर CUET के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होता है। आवेदन पत्र में व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षिक विवरण, चुने गए पाठ्यक्रम और परीक्षा केंद्र के विकल्प भरने होते हैं।
- परीक्षा शुल्क: विभिन्न श्रेणियों और विषयों के आधार पर आवेदन शुल्क जमा करना होता है।
- एडमिट कार्ड: परीक्षा से कुछ दिन पहले NTA की वेबसाइट से एडमिट कार्ड डाउनलोड करना होता है।

2. CUET परीक्षा दें:

- CUET परीक्षा कंप्यूटर आधारित टेस्ट (CBT) होती है, जिसमें छात्रों को उनके चुने हुए विषयों और भाषा में प्रश्नों का उत्तर देना होता है।
- परीक्षा के बाद, NTA द्वारा स्कोरकार्ड जारी किया जाता है, जिसमें छात्रों के अंकों का सामान्यीकरण (Normalization) किया जाता है।

3. दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया:

(i) DU की कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम **(CSAS):**

CUET परीक्षा के स्कोर प्राप्त होने के बाद, छात्र को दिल्ली विश्वविद्यालय की कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम **(CSAS)** के तहत आवेदन करना होता है। इस प्रक्रिया के तीन चरण होते हैं:

1. पहला चरण**: CSAS** पोर्टल पर पंजीकरण
    - छात्रों को दिल्ली विश्वविद्यालय के CSAS पोर्टल पर जाकर पंजीकरण करना होता है।
    - पंजीकरण के समय CUET स्कोर का उपयोग किया जाता है और छात्रों को अपनी व्यक्तिगत जानकारी और दस्तावेज़ अपलोड करने होते हैं।
2. दूसरा चरण**:** पाठ्यक्रम और कॉलेज का चयन
    - छात्र अपने CUET स्कोर के आधार पर उपलब्ध पाठ्यक्रम और कॉलेज का चयन कर सकते हैं।
    - पाठ्यक्रमों का चयन उनकी रुचि और योग्यता के अनुसार करना होता है। हर कॉलेज और पाठ्यक्रम की कटऑफ अलग होती है, जो CUET के अंकों पर आधारित होती है।
3. तीसरा चरण**:** सीट अलॉटमेंट और प्रवेश
    - सीट आवंटन प्रक्रिया पूरी तरह से मेरिट लिस्ट (CUET स्कोर के आधार पर) पर आधारित होती है।
    - सीट मिलने के बाद छात्र को उस कॉलेज में जाकर आवश्यक दस्तावेज़ों का सत्यापन और प्रवेश शुल्क का भुगतान करना होता है।
    - यदि छात्र को पहली आवंटन में सीट नहीं मिलती है, तो वह अगले राउंड की काउंसलिंग में भी भाग ले सकता है।

(ii) टाई-ब्रेकिंग नियम**:**

यदि दो छात्रों के CUET स्कोर समान होते हैं, तो प्रवेश प्रक्रिया में टाई-ब्रेकिंग के लिए निम्नलिखित मानदंडों का उपयोग किया जा सकता है:

- संबंधित विषय में अधिक अंक।
- अधिक उम्र के छात्र को प्राथमिकता।

4. दस्तावेज़ सत्यापन और प्रवेश शुल्क भुगतान**:**

- जब सीट आवंटित हो जाती है, तो छात्र को संबंधित कॉलेज में सभी आवश्यक दस्तावेज़ (जैसे 10वीं और 12वीं की मार्कशीट, पहचान पत्र, CUET स्कोरकार्ड,